बिहार विधान-सभा वादवृत्त

(भाग-1—कार्यवाही प्रश्नोत्तर)

(सोमवार, तिथि 14 मार्च, 1983 ई०)

विषय-सूची ।

		पृष्ठ
प्रश्नोत्तर : मौखिक उत्तर—		
तारांकित प्रश्नोत्तर संख्या	110, 111, 112, 113, 114, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126 ।	1—29
परिशिष्ट 1 (प्रश्नों के लिखित उत्तर)—		
तारांकित प्रश्न सं०—	129, 130, 131, 171, 178, 186, 187, 202, 128, 132, 133, 134, 135, 142, 147, 149, 152, 153, 157, 158, 161, 163, 168, 172, 173, 174, 176, 177, 179, 184, 189, 190, 196, 198, 201, 204, 206 ।	31—61
परिशिष्ट 2 (अतारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर)—		
प्रश्न सं०—	फ-3, सामु-6, द-19, द-23, द-1, नि-5, भ-28, खा-1, ऐ-3, पुन-5, ह-8, सामु-24, फ-21, ल-1, द-19. क-4, र-1, जन-1, फ-14, फ-15, श्र-17, श्र-42, फ-13, श्र-23, घ-2, द-35, छ-1, मा-21, रा-6, रा-5, पुन-4, ट-10, प-2, ट-3, फ-18, ज-10, सामु-29, क-2, ईख-1, सामु-19, श्र-8, ईख-3, ईख-2, खा-3, फ-22, फ-23, फ-25 ।	62—98
दैनिक-निबंध		99-101

टिप्पणी—किन्हीं मंत्रियों एवं सदस्यों ने अपना भाषण संशोधित नहीं किया है ।

अध्यक्ष—उत्तर दिया हुआ है, माननीय सदस्य इसका पूरक उत्तर पूछें।

मो० ईलियास हुसैन—अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री बतलायेंगे कि एक साल पहले 100 के० भी० ट्रान्सफारमर बिछाने के लिये जो वायरींग और पोल लगाया जा चुका है, एक वर्ष की अवधि में विद्युत् बोर्ड द्वारा डेहरी कार्यपालक अभियन्ता को 100 के० भी० का कितना ट्रान्सफारमर दिया गया ?

श्री रामदेव राय—यह तो निश्चित सूचना उपलब्ध नहीं है।

श्री मो० ईलियास हुसैन—अध्यक्ष महोदय, मैं इनके खंड (3) के उत्तर के आलोक में यह पूछना चाहता हूँ कि इन्होंने बतलाया है कि 100 एकड़ का पटवन बगल के ट्रान्सफारमर से लाईन देकर किया जा रहा है तो मैं यह जानना चाहता हूँ कि वह कौन-सा ट्रान्सफरमर है जिससे यह 100 एकड़ जमीन को विद्युत् सप्लाई करके सिंचाई कर रहे हैं। बगल में 6 ट्रान्सफारमर हैं, वह किस ट्रान्सफारमर से पटवन कर रहे हैं और वहां कितना कनज्यूमर लोड है ?

श्री रामदेव राय—अध्यक्ष महोदय, इसका निर्णय हम ले चुके हैं और अप्रील के अन्त तक हम ट्रान्सफारमर देने जा रहे हैं।

विद्युत सब-स्टेशन को चालू करना।

*118. श्री मो० ईलियास हुसैन—क्या मंत्री, विद्युत् विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि सरकार ने रोहतास जिला के डिहरी प्रखंड में अकोढ़ी गोला के निकट एक ग्रांच सब-स्टेशन का निर्माण किया है;

(2) क्या यह बात सही कि तीन एम० भी० ए० के दो ट्रांसफार्मर एवं 100 के० भी० ए० के दो ओ० सी० बी० के अभाव में नवनिर्मित यह सब-स्टेशन बेकार पड़ा है ;

(3) क्या यह बात सही है कि इस सब-स्टेशन को मथुरापुर ग्रीड से जोड़ने पर पावर बराबर उपलब्ध होगा ;

(4) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार उल्लिखित सामानों को तत्काल उपलब्ध कराकर इस सब-स्टेशन को चालू करेगी और इसे मथुरापुर ग्रीड से जोड़ेगी, यदि हां तो कबतक और नहीं तो क्यों ?

डॉ० जगन्नाथ मिश्र—(1) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(2) एक 1.5 एम० भी० ए० का पावर ट्रान्सफारमर बैठया जा चुका है। एक 3 एम० भी० ए० का पावर ट्रान्सफारमर स्थल पर पहुंचाया जा चुका है। लेकिन इसका कुछ सामान मेसर्स ई० ई० एफ० रांच से आना बाकी है। इस सबस्टेशन के लिए 11 के० भी० ओ० सी० वी० के लिए क्रय आदेश हो गया है। परन्तु अभी तक प्राप्त नहीं हुआ है। ओ० सी० वी० प्राप्त होने पर पावर सबस्टेशन को चालू कर दिया जाएगा। इसके लिए प्रथम चरण में दो 11 के० भी० ओ० सी० वी० की आवश्यकता है। जुलाई, 1983 तक 11 के० भी० ओ० सी० वी० उपलब्ध होने की संभावना है।

(3) इन सबस्टेशन को मयूराक्षी ग्रिड से जोड़ने का काम पूरा हो चुका है और उपलब्ध विद्युत् के अनुसार इस क्षेत्र में विद्युत् की आपूर्ति की जा सकेगी।

(4) इसका उत्तर खंड (2) एवं (3) के उत्तर में दिया जा चुका है।

अध्यक्ष—उत्तर दिया हुआ है, माननीय सदस्य इसका पूरक पूछें।

श्री मो० ईलियास हुसैन—अध्यक्ष महोदय, मैं दूसरे खंड के आलोक में जानना चाहता हूं कि 11 के० भी० ओ० सी० वी० के लिये क्रय आदेश दिया गया है तो वह किस फर्म को आदेश दिया गया और किस तिथि को दिया गया और उसे सप्लाई करने का क्या समय है?

श्री रामदेव राय—इसकी निश्चित जानकारी मुझे अभी नहीं है कि किस फर्म को दिया गया है लेकिन इतना निदेश दे चुके हैं कि 1983 के जुलाई तक इस योजना को सामान की आपूर्ति करा देंगे।

अध्यक्ष—माननीय मंत्री, आप तरह-तरह का आश्वासन देते जा रहे हैं, कभी अप्रील और कभी जुलाई, इसको समझ लीजिये।

श्री रामदेव राय—अध्यक्ष महोदय, दोनो ही चीजें है। पिछले सत्र में भी यह सवाल उठाया गया था जिसमें सरकार ने बताया था कि 1983 के अप्रील तक कर देंगे लेकिन सामान मिलने में कठिनाई हो रही है इसलिये जुलाई, 1983 तक कह रहे हैं।

श्री विजय कुमार सिंह—अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य का प्रश्न था कि आपने फर्म को आदेश कब निर्गत किया?

अध्यक्ष—यह तो हो गया।

श्री मो० ईलियास हुसैन—सरकार की तरफ से इस तरह का बयान आये तो क्या यह उचित है?

अध्यक्ष—जब इन्होंने स्वीकार कर लिया कि जुलाई, 1983 तक इसे करा देंगे तब फिर आगे बढ़ा जाय। प्रश्न लाने का मतलब यह है कि काम हो जाना चाहिये तो वह हो ही रहा है।

(इस अवसर पर बिजली गुल हो गयी)

श्री मो० ईलियास हुसैन—क्या मंत्री महोदय बतलायेंगे कि इस सब-स्टेशन के चालू नहीं होने से इसके अगल-बगल में 50 एकड़ जमीन में लगी हुई गेहूं की फसल सूख रही है ?

श्री रामदेव राय—दूसरे ट्रान्सफारमर से लाईन देने जा रहे हैं और इसे करने के लिये सरकार सचेष्ट है।

श्री मो० ईलियास हुसैन—मंत्री जी ने जो जवाब दिया है वह सुनाई नहीं पड़ रहा है इसलिये जरा बड़े आवाज में जवाब दें।

(इस अवसर पर सदन की बिजली गुल थी)

श्री ब्रज किशोर नारायण सिंह एवं अन्य सदस्यगण—अध्यक्ष महोदय, सदन को कुछ समय के लिये स्थगित कर दिया जाय, चूंकि सदन की बिजली गुल है, ऐसी हालत में कुछ भी सुनाई नहीं पड़ेगा। सदन में जब यह हालत है बिजली की तो बाहर में या अन्य जगहों में क्या हो सकती है, इसीसे अन्दाज लगाया जा सकता है।

(शोर गुल)

अध्यक्ष—10 मिनट के लिये सदन को स्थगित किया जाता है।

(स्थगित हुआ)

विद्युत् कर की दर में कमी का विचार।

*119. श्री राम लषण राम 'रमण'—क्या मंत्री, विद्युत् विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है अक्टूबर, 1982 से मधुबनी जिला के लदनियां, मधुबनी शहर, जयनगर एवं खजौली में प्रतिदिन मात्र 5 से 7 घंटे विद्युत् की आपूर्ति की जाती है यदि हां तो क्या सरकार विद्युत् कर की दर में आपूर्ति के अनुसार कमी करना चाहती है ?

डॉ० जगन्नाथ मिश्र—मधुबनी जिला के जयनगर, खजौली एवं लदनियां क्षेत्रों में अक्टूबर, 1982 से जब उपलब्ध विद्युत् शक्ति में कमी थी तब 5-7 घंटे तक विद्युत्